Daily Current Affairs

Date : 04 July, 2025

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान पुलिस महानिदेशक (DGP) - राजीव कुमार शर्मा
2.	कचनार चौधरी
3.	आस्था माथुर
4.	अशोक गुप्ता
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स (राजस्थान) 1. भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2. भारत ऑर्गेनिक्स मेला 2025 3. प्रथम खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल
6.	हथकरघा हैकाथॉन 2025
7.	इंडियन मैंगो मेनिया 2025
8.	CITES के 50 वर्ष पूर्ण
9.	कच्छ के खराई ऊंट
10.	सागौन के पत्ते
11.	चर्चा में रहा देश - माली

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान पुलिस महानिदेशक (DGP) - राजीव कुमार शर्मा

➲ चर्चा में क्यों?

- 03 जुलाई, 2025 को राजीव कुमार शर्मा ने राजस्थान के नए पुलिस महानिदेशक (DGP) का कार्यभार संभाला।

➲ मुख्य बिंदु :

- राजीव कुमार पूर्व में नई दिल्ली स्थित पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (BPR&D) में महानिदेशक के पद पर कार्यरत थे।
- वे मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के निवासी हैं तथा वर्ष 1990 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (IPS) अधिकारी हैं।
- उन्हें वर्ष 2006 में पुलिस पदक और वर्ष 2014 में राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका है।
- **कार्यकाल** – जुलाई, 2027 तक।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

कचनार चौधरी

➲ चर्चा में क्यों?

- राजस्थान पुलिस में सब इंस्पेक्टर कचनार चौधरी ने संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित वर्ल्ड पुलिस और फायर गेम्स में शॉटपुट प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

➲ मुख्य बिंदु :

- कचनार ने शॉटपुट के अलावा डिस्कस थ्रो में भी रजत पदक जीता।
- वर्ल्ड पुलिस और फायर गेम्स के लिए राजस्थान पुलिस से कुल 10 खिलाड़ियों का चयन हुआ है।
- **नोट :** केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) में सेवारत झालावाड़ निवासी दिलीप कुमार मालव ने कराटे स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

वर्ल्ड पुलिस और फायर गेम्स:

- **आयोजन स्थल :** बर्मिंघम, अलाबामा स्टेट, USA
- **अवधि :** 27 जून से 6 जुलाई, 2025 तक।
- **कुल प्रतिभागी देश :** 70 देश।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आस्था माथुर

➲ चर्चा में क्यों?

- **जयपुर की आस्था माथुर BCCI के मैच रेफरी पैनल में शामिल होने वाली राजस्थान की दूसरी महिला बनीं।**

➲ मुख्य बिंदु :

- **BCCI द्वारा आयोजित परीक्षा में आस्था माथुर को 77.5 अंक प्राप्त हुए तथा ऑल इंडिया 5वां स्थान प्राप्त हुआ।**
- **आस्था माथुर BCCI के मैच रेफरी पैनल में शामिल होने वाली राजस्थान की दूसरी महिला हैं।**
- **इससे पहले राजस्थान की पूर्व क्रिकेटर मीनाक्षी बंसल ने भी यह उपलब्धि हासिल की थी।**
- **मीनाक्षी बंसल वर्ष 2018 से BCCI पैनल में शामिल हैं।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अशोक गुप्ता

➲ चर्चा में क्यों?

- जयपुर निवासी डॉ. अशोक गुप्ता को यूरोपियन एकेडमी ऑफ एलर्जी एंड इम्यूनोलॉजी (EAACI) की पेशेंट ऑर्गनाइजेशन कमेटी में शामिल किया गया है।

➲ मुख्य बिंदु :

- वे इस कमेटी में शामिल होने वाले पहले भारतीय और अकेले नॉन-यूरोपियन सदस्य हैं। उनका कार्यकाल दो वर्ष का होगा।
- यह कमेटी मरीजों की सुरक्षा, इलाज की सही जानकारी और क्लीनिकल ट्रायल्स में उनकी भूमिका को लेकर काम करती है।
- इसका मुख्य ऑफिस स्विट्जरलैंड के ज्यूरिक शहर में है। 124 देशों और 50 संगठनों से जुड़ी हुई है।
- डॉ. गुप्ता जयपुर के गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में डीन और प्रिंसिपल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स (राजस्थान)

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो**

- भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो (BMGE) का तीसरा संस्करण 4 से 9 फरवरी, 2027 तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।
- इस आयोजन का उद्देश्य उद्योग प्रतिनिधियों, नीति निर्माताओं और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों सहित मोबिलिटी कार्यक्षेत्र के विभिन्न हितधारकों को एक साथ लाना है।
- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय तथा भारी उद्योग मंत्रालय के सहयोग से आयोजित BMGE ऑटोमोटिव और मोबिलिटी वैल्यू चेन में विकास को प्रदर्शित करने के लिए एक व्यापक मंच है।
- **वर्ष 2025 का संस्करण :** BMGE का दूसरा संस्करण 17 से 22 जनवरी, 2025 तक तीन स्थानों-भारत मंडपम, यशोभूमि और इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित हुआ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2.

भारत ऑर्गेनिक्स मेला 2025

- हाल ही में, केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने 'भारत ऑर्गेनिक्स मेला 2025' का उद्घाटन किया।
- यह मेला वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
- **आयोजनकर्ता :** नेशनल को-ऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (NCOL)
- **तत्वावधान :** केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3.

प्रथम खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल

- **श्रीनगर की डल झील में 21 से 23 अगस्त, 2025 तक 'प्रथम खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल' का आयोजन किया जाएगा।**
- **प्रतिस्पर्धाएं (कुल 5 खेल) : कयाकिंग और कैनोइंग, रोइंग, वॉटर स्कीइंग, शिकारा रेस और ड्रैगन बोट।**
- **नोट : ज्ञातव्य है कि मई, 2025 में दीव में पहला खेलो इंडिया बीच गेम्स आयोजित किया गया था।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

हथकरघा हैकाथॉन 2025

➲ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालय ने 'हथकरघा हैकाथॉन 2025' का शुभारंभ किया हैं।

➲ मुख्य बिंदु :

- यह भारत के हथकरघा क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए एक अग्रणी राष्ट्रीय प्रतियोगिता है।
- राष्ट्रीय डिजाइन केंद्र और फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, आईआईटी दिल्ली के सहयोग से आयोजित, हैकाथॉन इस वर्ष के राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2025 समारोह के मुख्य आकर्षण में से एक होगा।
- **उद्देश्य:** हैकाथॉन का उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना और कारीगरों को सशक्त बनाना हैं।
- **आयोजन:** हथकरघा हैकाथॉन 2025 का आयोजन 2 से 3 अगस्त 2025 को आईआईटी दिल्ली में किया जाएगा।
- **थीम:** "ड्रीम इट; डू इट" थीम के अंतर्गत हैकाथॉन डिजाइन नवाचार, स्थिरता, बाजार पहुंच, कौशल विकास और सामुदायिक निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

इंडियन मैंगो मेनिया 2025

➲ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) ने भारतीय आम के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए आबू धाबी में 'इंडियन मैंगो मेनिया 2025' का आयोजन किया हैं।

➲ मुख्य बिंदु :

- इस कार्यक्रम में 'भारतीय मैंगो मेनिया 2025' - यूएई में स्थित भारतीय दूतावास और लुलु समूह के सहयोग से आयोजित एक जीवंत इन-स्टोर आम उत्सव की शुरुआत की गई।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- आम के शीर्ष मौसम में आयोजित इस संवर्धन का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ताओं, विशेष रूप से यूएई और खाड़ी क्षेत्र में व्यापक स्तर पर फैले भारतीय प्रवासियों को भारत की उत्कृष्ट आम किस्मों को प्रदर्शित करना है।
- प्रदर्शित भारतीय आम की उम्दा किस्मों में जीआई-टैग और क्षेत्रीय विशिष्टताएं जैसे बनारसी लंगड़ा, दशहरी, चौसा, सुंदरजा, आम्रपाली, मालदा, भारत भोग, प्रभा शंकर, लक्ष्मण भोग, महमूद बहार, वृंदावनी, फजली और मल्लिका शामिल हैं।
- इस आयोजन में ताजे फलों के प्रदर्शन के अतिरिक्त, इस संवर्धन कार्यक्रम में आम पर आधारित व्यंजनों का चयन भी सम्मलित था। इसमें शामिल हैं:-
  - **बेकरी और मिठाइयां:** मैंगो पेस्ट्री, स्विस रोल, डोनट्स, मैकरून, मैंगो ब्रेड और केक
  - **पारंपरिक भारतीय व्यंजन:** मंबाझा पायसम, आम पुलाव, आम मछली करी, आम की चटनी, और आम की खिचड़ी
  - **स्नैक्स और सलाद:** आम के पकौड़े, चाट, रायता, ट्रॉपिकल सलाद
  - **ग्लोबल फ्यूज़न:** मैंगो सुशी, मैंगो-स्टफ्ड चिकन, मैंगो चपली कबाब
  - **अचार और मुरब्बा:** आम-खजूर का अचार, लहसुन-आम का अचार, कश्मीरी शैली का अचार
  - **पेय पदार्थ:** ताजा आम का जूस, स्मूदी, पल्प, जैम और जेली

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

CITES के 50 वर्ष पूर्ण

➲ चर्चा में क्यों?

- 1 जुलाई 2025 को वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES) ने अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे किये हैं।

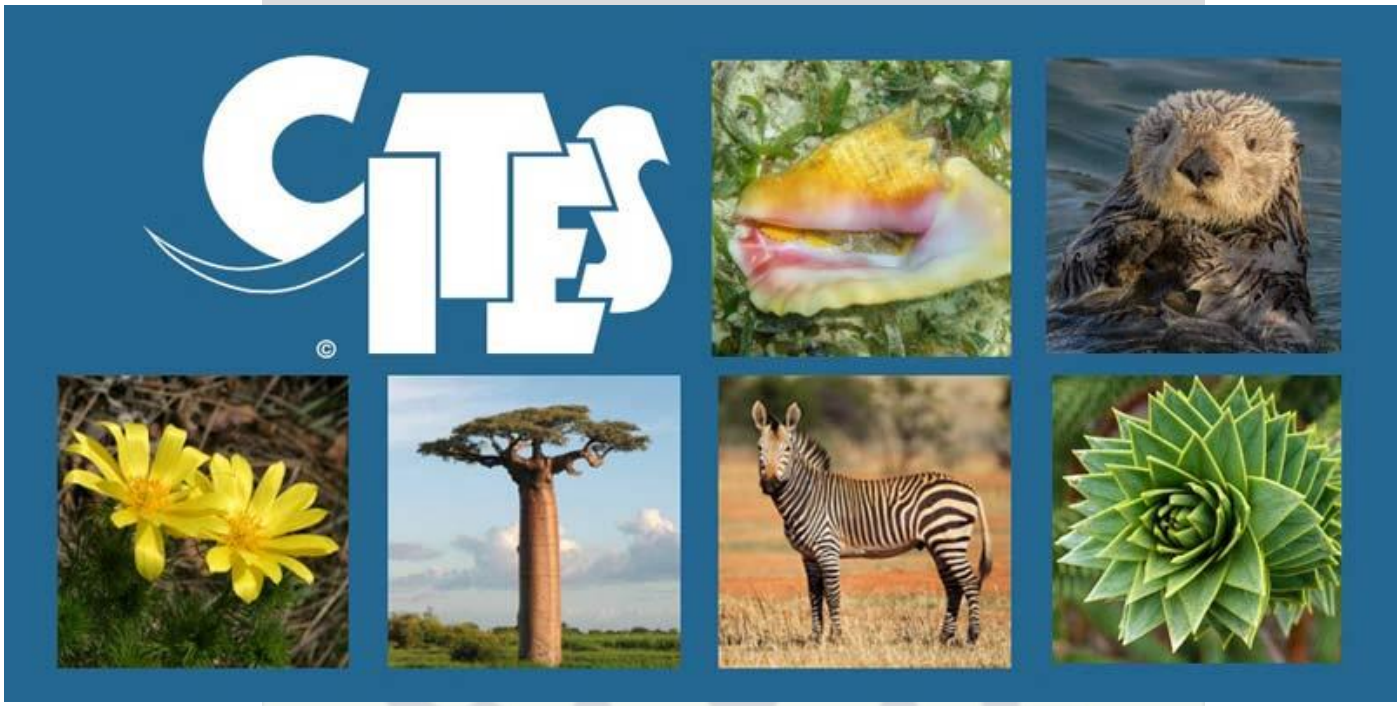

➲ मुख्य बिंदु :

CITES

- CITES, जिसे वॉशिंगटन कन्वेंशन भी कहा जाता है, पर 3 मार्च 1973 को विश्व वन्यजीव सम्मेलन में हस्ताक्षर हुए और यह 1 जुलाई 1975 को लागू हुआ।
- इसे 1963 में IUCN द्वारा प्रस्तावित एक योजना के तहत बनाया गया था, जिसका मकसद वन्यजीवों के व्यापार को नियंत्रित करना था।
- अब तक इस कन्वेंशन से 185 देश जुड़ चुके हैं, जिनमें भारत (जो 1976 से इसका हिस्सा है) और यूरोपीय संघ भी शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- जिनेवा में स्थित संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) द्वारा प्रशासित CITES, जीवित प्रजातियों तथा वन्यजीव उत्पादों सहित 40,000 से अधिक वन्य जीवों और वनस्पतियों की प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित करता है।
- CITES जानवरों और पौधों को उनके खतरे के स्तर के आधार पर तीन भागों में बांटता है:
- **परिशिष्ट-I:** इसमें वे प्रजातियाँ होती हैं जो विलुप्त होने के बहुत करीब हैं। इनका व्यापार लगभग पूरी तरह बंद होता है, सिर्फ खास वैज्ञानिक कारणों से ही कभी-कभी अनुमति मिलती है।
- **परिशिष्ट-II:** ऐसी प्रजातियाँ जिन्हें अभी तो खतरा नहीं है, लेकिन अगर ध्यान नहीं दिया गया तो उनकी संख्या तेजी से घट सकती है। इनका व्यापार कुछ शर्तों और परमिट के साथ किया जा सकता है।
- **परिशिष्ट-III:** इनमें वे प्रजातियाँ आती हैं जिन्हें किसी एक देश ने संरक्षित किया है और उसने बाकी देशों से भी मदद मांगी है कि वे इनके व्यापार को नियंत्रित करें।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

कच्छ के खराई ऊंट

➲ चर्चा में क्यों?

- गुजरात के कच्छ क्षेत्र में मैंग्रोव वनों का बड़े पैमाने पर विनाश जारी है, जिससे इस पारिस्थितिकी तंत्र पर निर्भर एक दुर्लभ तैराक ऊँट प्रजाति 'खराई ऊँट' के अस्तित्व पर गंभीर संकट मंडरा रहा है।

➲ मुख्य बिंदु :

- राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के बार-बार हस्तक्षेप के बावजूद, गुजरात के कच्छ क्षेत्र में मैंग्रोव वनों का व्यापक और निरंतर विनाश जारी है।

खराई ऊँट :

- खराई ऊँट कच्छ क्षेत्र की एक देशज प्रजाति है, जो अपनी दुर्लभ क्षमता लंबी दूरी तक तैरने और मैंग्रोव वनों में चरने के लिए जाना जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **शारीरिक विशेषता:** खराई ऊँट के पैरों में झिल्ली जैसी संरचना होती है, जो उसे तैरने में सहायक बनाती है, और उसका पाचन तंत्र खारी वनस्पतियों को सहजता से पचा लेने में सक्षम होता है।
- **IUCN स्थिति:** संकटग्रस्त श्रेणी में
- **NBAGR स्थिति:** राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (NBAGR) द्वारा खराई ऊँट को संकटग्रस्त पशु के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- **सामुदायिक महत्व:** खराई ऊँट मालधारी समुदाय के लिये महत्त्वपूर्ण है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सागौन के पत्ते

➲ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारतीय वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध किया है कि सागौन के पत्तों से प्राप्त अर्क एक प्रभावी, प्राकृतिक तथा इकोफ्रेंडली ऑप्टिकल लिमिटर के रूप में कार्य कर सकता है, जो उच्च तीव्रता वाले लेज़र विकिरण से आँखों और संवेदनशील सेंसरों की सुरक्षा करता है।

➲ मुख्य बिंदु :

- सागौन के पत्तों में 'एंथोसायनिन' नामक प्राकृतिक रंग मौजूद होते हैं, जिनमें खास तरह के ऑप्टिकल गुण होते हैं। इन्हीं गुणों के कारण ये लेज़र से सुरक्षा देने वाले चश्मे, ऑप्टिकल कवच और लेज़र-रोधी कोटिंग जैसे उपयोगों के लिए उपयोगी माने जाते हैं।

सागौन (सागवान) वृक्ष:

- **वैज्ञानिक नाम:** टेक्टोना ग्रैंडिस
- सागौन एक नम पर्णपाती वृक्ष है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- सागौन को उसकी मज़बूती, टिकाऊपन और कीड़ों, पानी और सड़न से बचाव की क्षमता के लिए "लकड़ियों का राजा" कहा जाता है। यही कारण है कि यह फर्नीचर, फर्श, जहाज, सजावटी काम और संगीत वाद्ययंत्रों के लिए एक पसंदीदा विकल्प है।
- भारत में विश्व के 35% सागौन वन हैं और एशिया में वैश्विक सागौन संसाधनों का 95% हिस्सा है।
- यह वृक्ष मूल रूप से दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया (भारत, म्यांमार, थाईलैंड, लाओस और इंडोनेशिया) में पाए जाते हैं।
- भारत में यह मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, असम और पूर्वोत्तर में अच्छी जल निकासी वाली मृदा और पूर्ण सूर्य के प्रकाश में पनपता है।
- सागौन एक विशाल पर्णपाती वृक्ष है, जिसका तना सीधा और बेलनाकार होता है, लगभग 1 से 1.5 मीटर व्यास वाला। इसकी गहरी हरी, आयताकार पत्तियाँ आमने-सामने जुड़ी होती हैं, और मौसम के अनुसार इसमें छोटे, सुगंधित सफेद या क्रीम रंग के फूल गुच्छों में खिलते हैं।
- वन संरक्षण अधिनियम 1980 और राष्ट्रीय वन नीति 1988 के कारण सरकारी वनों में हरे पेड़ों की कटाई बंद कर दी गई है। इसी वजह से घरेलू और निर्यात की मांग पूरी करने के लिए निजी सागौन बागान लगाना जरूरी हो गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

चर्चित स्थान

चर्चा में रहा देश - माली

➲ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, पश्चिमी अफ्रीकी देश माली में आतंकी संगठन अल कायदा के आतंकवादियों ने 3 भारतीयों का अपहरण कर लिया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

➲ मुख्य बिंदु :

- माली इस समय गंभीर आतंकवादी हमलों की चपेट में है। अल-कायदा से संबद्ध आतंकी संगठन जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन (JNIM) और इस्लामिक स्टेट साहेल प्रोविन्स माली में सक्रिय प्रमुख आतंकवादी संगठन है।
- गौरतलब है कि मई, 2021 में सेना ने माली में लोकतान्त्रिक सरकार का तख्तापलट कर सत्ता पर कब्ज़ा कर लिया था।

भौगोलिक अवस्थिति:

- माली पश्चिम अफ्रीका में स्थित एक लैंडलॉक्ड (स्थलरुद्ध) देश है, जो सहारा क्षेत्र का हिस्सा है।
- यह प्राइम मेरिडियन देशांतर रेखा पर स्थित है, अतः यह पूर्वी और पश्चिमी दोनों गोलार्द्धों में भी स्थित है।
- यह देश उत्तर और उत्तर-पूर्व में अल्जीरिया, पूर्व में नाइजर और बुर्किना फासो, दक्षिण में कोटे डी आइवर और गिनी तथा पश्चिम में सेनेगल और मॉरिटानिया के साथ अपनी स्थलीय सीमा साझा करता है।
- **सबसे ऊंची पर्वत चोटी -** माउंट होम्बोरी टोंडो (1,155 मीटर)
- **प्रमुख नदी –** नाइज़र (माली की जीवनरेखा)
- **राजधानी –** बामाको।
- **मुद्रा -** पश्चिम अफ़्रीकी CFA फ़्रैंक।
- **सहारा क्षेत्र के 11 देश:** अल्जीरिया, चाड, मिस्र, लीबिया, माली, मॉरिटानिया, मोरक्को, नाइजर, सूडान, ट्यूनीशिया और पश्चिमी सहारा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR